



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 212] A

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 9, 2009/चैत्र 19, 1931

No.212]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 9, 2009/CHAITRA 19, 1931

रक्षोपाय, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय

रक्षोपाय जांच की शुरुआत की सूचना

[सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 6 के अंतर्गत]

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2009

विषय :— भारत में एक्रिलिक फाइबर के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच की शुरुआत ।

सा.का.नि. 245(अ).—फोरम ऑफ एक्रिलिक फाइबर मैनुफैक्चरर्स, सूट 443, चौथा तल, अशोक होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 द्वारा घरेलू उत्पादकों (1) इण्डियन एक्रिलिक्स लि., सीएसओ 49-50, सेक्टर 26, मध्य मार्ग, चंडीगढ़-161019, (2) वर्धमान एक्रिलिक्स लि., वर्धमान प्रेमिसेस, चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना-141010 और (3) पशुपति एक्रिलोन लि., एम-14, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली-110001 की ओर से भारत में सभी रूपों में एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत ताकि भारत में हुए एक्रिलिक फाइबर के संवर्धित आयातों के कारण हुई गंभीर क्षति से एक्रिलिक फाइबर (स्टेपल एवं टो) के घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा की जा सके ।

2. घरेलू उद्योग : यह आवेदन फोरम ऑफ एक्रिलिक फाइबर मैनुफैक्चरर्स, सूट 443, चौथा तल, अशोक होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली- 110021 द्वारा घरेलू उत्पादकों (1) इण्डियन एक्रिलिक्स लि., सीएसओ 49-50, सेक्टर 26, मध्य मार्ग, चंडीगढ़-161019, (2) वर्धमान एक्रिलिक्स लि., वर्धमान प्रेमिसेस, चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना- 141010 और (3) पशुपति एक्रिलोन लि., एम-14, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली-110001 की ओर से भारत में सभी रूपों में एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है । इस आवेदन का भारत में एक्रिलिक फाइबर के समस्त ज्ञात घरेलू उत्पादकों ने समर्थन किया है जिनका उत्पादन कुल उत्पादन का 100% बनता है । भारत में एक्रिलिक फाइबर का कोई अन्य ज्ञात विनिर्माता नहीं है। घरेलू उद्योग एचएसएन के 55013000 (फिलामेंट टो) 55033000 (फाइबर-कटाई हेतु अप्रसंस्कृत) तथा 55063000 (फाइबर-कटाई हेतु प्रसंस्कृत) और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ 1985 के अंतर्गत आने वाले एक्रिलिक फाइबर का विनिर्माण करते हैं ।

3. **शामिल उत्पाद :** आवेदकों ने भारत में एक्रिलिक फाइबर (स्टेपल तथा टो) के संवर्धित आयातों द्वारा घरेलू उत्पादक को हुई गंभीर क्षति का आरोप लगाया है। एक्रिलिक फाइबर सिंथेटिक पॉलीमर की एक लम्बी शृंखला होती है जिसमें एक्रोनाइट्राइल इकाइयाँ भार के अनुसार कम-से-कम 85% होती हैं। एक्रिलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अंतर्गत एक्रिलिक स्टेपल फाइबर या एक्रिलिक टो हो सकता है तथापि इन दोनों मदों को वाणिज्यिक भाषा में एक्रिलिक फाइबर के रूप में जाना जाता है। एक्रिलिक स्टेपल फाइबर तथा एक्रिलिक टो के बीच एक मात्र भेद उसकी लम्बाई में अंतर होता है। दो मीटर तक की लम्बाई के फाइबर को स्टेपल फाइबर के रूप में जाना जाता है। अलग-अलग रूपों में एक्रिलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के अंतर्गत 55013000 (फिलामेंट टो) 55033000 (फाइबर-कटाई हेतु अप्रसंस्कृत) तथा 55063000 (फाइबर-कटाई हेतु प्रसंस्कृत) के तहत वर्गीकृत है। एक्रिलिक फाइबर का व्यापक रूप से उपयोग शीतकालीन वस्त्रों के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री में किया जाता है।

उत्पाद का नाम	एच.एस.एन. चैप्टर हैडिंग	एक्साइज टैरिफ हैडिंग	आई.टी.सी. हैडिंग
एक्रिलिक फाइबर	1. 55013000 फिलामेंट टो 2. 55033000 फाइबर अन प्रोसैसड कटाई के लिए 3. 55063000 फाइबर प्रोसैसड कटाई के लिए	1. 55013000 फिलामेंट टो 2. 55033000 फाइबर अन प्रोसैसड कटाई के लिए 3. 55063000 फाइबर प्रोसैसड कटाई के लिए	1. 55013000 फिलामेंट टो 2. 55033000 फाइबर अन प्रोसैसड कटाई के लिए 3. 55063000 फाइबर प्रोसैसड कटाई के लिए

4. **संवर्धित आयात :** थाइलैंड, जापान, जर्मनी, चीन, कोरिया, ताईवान और बेलारूस से भारत में एक्रिलिक फाइबर (स्टेपल तथा टो) का भारी मात्रा में आयात किया जाएगा। एक्रिलिक फाइबरों के आयातों में समय रूप में और घरेलू बिक्री की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। जांच अवधि के दौरान आयातों का हिस्सा निम्नानुसार रहा है :-

वर्ष	आयात (मी. टन)	घरेलू बिक्री (मी. टन)	आयातों का हिस्सा %	घरेलू बिक्री का हिस्सा %
2005-06	11747	95,387	10.96	89.04
2006-07	11,700	76,497	13.27	86.73
2007-08	7,360	73,098	9.15	90.85
2008-09 (प्रथम नौ माह)	8,393	45,917	15.45	84.55

5. **उत्पादन क्षमता :** हाल की अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता जो 2006-07 में 93.10 प्रतिशत थी इस वर्ष के प्रथम 9 महीनों में घटकर 80.95 प्रतिशत रह गई।

	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल, 08- दिस. 08
आवेदकों की कुल क्षमता	85,000	90,000	90,000	67,500
आवेदकों का कुल उत्पादन	75,378	83,868	77,513	64,641
क्षमता उपयोग	88.68	93.19	86.13	80.95

6. **क्षति :** एक्रिलिक फाइबर के संवर्धित आयातों से एक्रिलिक फाइबर के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और गंभीर क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो रहा है जैसाकि निम्नलिखित कारकों से पता चलता है :

क) **बिक्री :** ऊपर दर्शाए गए अनुसार वर्ष 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 की हाल की अवधि (अप्रैल-दिस. 2008) में घरेलू बिक्री में समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में भारी गिरावट आई है। पूर्ववर्ती वर्ष के 90.85% की तुलना में घरेलू बिक्री का हिस्सा घटकर 84.55% हो गया है। आयातों की कीमत कटौतीकारी संवर्धनशील प्रवृत्ति के कारण घरेलू खपत में घरेलू बिक्री के हिस्से में आगे और कमी आने की संभावना है।

ख) **उत्पादन :** वर्ष 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 की हाल की अवधि (अप्रैल-दिस. 2008) में घरेलू उत्पादन में समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में भारी गिरावट आई है। उत्पादन जो कि वर्ष 2005-06 में 102516 मी.टन था वर्ष 2006-07 में घटकर 85168 मी.टन रह गया। तथा वर्ष 2008-09 (अप्रैल से दिसम्बर) के दौरान यह और घटकर 54640 मी.टन हो गया।

ग) **संयंत्रों का बंद होना :** संवर्धित आयातों के परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष में कई बार घरेलू संयंत्र बंद किए गए थे क्योंकि स्टॉक की निकासी नहीं हो सकी थी। चालू वित्त वर्ष में भारतीय एक्रिलिक्स को तीन माह तक बंद किया गया था। चालू वित्त वर्ष में पशुपति एक्रिलोन को दो माह तक बंद किया गया था। चालू वित्त वर्ष में वर्धमान एक्रिलिक्स के उत्पादन को भी एक माह तक बंद किया गया था।

प्लॉट	बन्द होने का समय	क्षमता जो बन्द की गई
इण्डियन एक्रैलिक लिमिटेड	19.8.08 से 14.11.08 (3 माह)	10500 मी. टन
पशुपति एक्रैलिक लिमिटेड	11.8.08 से 26.8.08 18.9.08 से 16.10.08 8.12.08 से 21.12.08 (दो माह)	5000 मी. टन
वर्धमान एक्रैलिक लिमिटेड	दिसम्बर 08 से जनवरी 09 (एक माह)	900 मी. टन

7. **अन्य सूचना :** इस समय एक्रिलिक फाइबर पर निम्नलिखित पाटनरोधी शुल्क लागू हैं।

अधिसूचना सं.	देश	शुल्क की राशि	तक वैध
117/2004-सी.शु. 30.12.2004	दिनांक बेलारूस	निर्धारणीय मूल्य तथा 1681.35 डा./मी. टन के बीच अंतर	29.12.2009
114/2004-सी.शु. 21.12.2004	दिनांक जापान	निर्धारणीय मूल्य तथा 1681 डा./मी. टन के बीच अंतर	20.12.2009
117/2004-सी.शु. 20.11.2008	दिनांक कोरिया गण.	0.225 डा./ कि.ग्रा.	19.11.2013
117/2004-सी.शु. 20.11.2008	दिनांक थाइलैंड	0.16 डा./कि.ग्रा. से 0.313 डा./कि.ग्रा.	19.11.2003

आवेदक का कहना है कि वर्तमान क्षति पाटन के कारण नहीं हुई है। आवेदक ने पुनः कहा है कि पाटन के कारण हुई क्षति का निवारण पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाकर कर दिया गया है। यह तर्क दिया गया है कि वर्तमान क्षति पाटन से भिन्न कारकों के कारण हुई है और यह पूर्णतः संवर्धित आयातों की वजह से हुई है।

8. इस मुद्दे कि क्या पहले से प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्क के बावजूद रक्षोपाय शुल्क लागू किया जा सकता है, की जांच की गयी थी। धारा 9क में पाटन मार्जिन से अनधिक शुल्क लगाए जाने का प्रावधान है। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख, उसमें उल्लिखित परिस्थितियों में भारत में आयातित वस्तु पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से संबंधित है। इन दोनों शुल्कों को लगाने की कार्यवाही पूर्णतः अलग-अलग है। इसके अलावा, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 8ख की उपधारा (3) या प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अंतर्गत एक ही समय पर कई शुल्क लगाए जाने की परिकल्पना की गयी है। धारा 8(ख) की उप धारा (3) में निम्नानुसार उल्लेख है :

“इस धारा के अंतर्गत प्रभाय शुल्क इस अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अंतर्गत लगाए गए किसी अन्य शुल्क के अतिरिक्त होगा।”

अतः यह स्पष्ट हो जाता है कि पहले से प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्क के बावजूद रक्षोपाय शुल्क लगाने पर कानून द्वारा लगाया गया कोई प्रतिबंध नहीं है बशर्ते कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 8ख के अंतर्गत रक्षोपाय लागू करने की अपेक्षाएँ पूरी होती हों।

9. घरेलू उत्पादकों ने एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर तीन वर्ष तक रक्षोपाय शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने नाजुक परिस्थितियों, जिनमें ऐसी क्षति हो सकती है जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, के मद्देनजर तुरंत अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है।

10. आवेदन की जांच की गयी है और यह पाया गया है कि हाल के वर्षों में एक्रिलिक फाइबर (स्टेपल तथा टो) के प्रथम दृष्ट्या संवर्धित आयातों के कारण एक्रिलिक फाइबर के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है तथा इसका खतरा पैदा हुआ है और तदनुसार इस सूचना के जरिए जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

11. समस्त हितबद्ध पार्टियाँ इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं :

महानिदेशक (रक्षोपाय)

दूसरा तल, भाई वीर सिंह साहित्य सदन

भाई वीर सिंह मार्ग, गोल मार्केट

नई दिल्ली-110001

टेलीफैक्स: 2374152/23741537

ई-मेल: dgsafeguards@nic.in

12. समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से भी लिखा जा रहा है।

13. इस जांच के लिए कोई अन्य पार्टी जो यह चाहती है कि उस पर हितबद्ध पार्टी के रूप में विचार किया जाए, अपने अनुरोध कर सकती है जो इस सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास पहुंच जाना चाहिए।

[फा. सं. डी-22011/09/2009]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

NOTICE OF INITIATION OF SAFEGUARD INVESTIGATION

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

New Delhi, the 9th April, 2009

Subject :— Initiation of Safeguard Investigation concerning imports of Acrylic Fibre into India

G.S.R. 245(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by Forum of Acrylic Fibre Manufacturers, Suit 443, 4th Floor, Ashok Hotel, Chanakyapuri, New Delhi-110021 on behalf of domestic producers (1) Indian Acrylics Limited, SCO 49-50, Sector 26, Madhya Marg, Chandigarh-161019, (2) Vardhaman Acrylics Limited, Vardhman Premises, Chandigarh Road, Ludhiana-141010 and (3) Pasupati Acrylon Limited, M-14, Cannaught Place, New Delhi-110001 for imposition of Safeguard Duty on imports of Acrylic Fibre in all forms into India to protect the domestic producers of Acrylic Fibre (staple & tow) against serious injury caused by the increased imports of Acrylic Fibre into India.

2. Domestic Industry: The application has been filed by Forum of Acrylic Fibre Manufacturers on behalf of domestic producers (1) Indian Acrylics Limited, (2) Vardhaman Acrylics Limited, and (3) Pasupati Acrylon Limited, for imposition of Safeguard Duty on imports of Acrylic fibre in all forms. The application has been supported by all the known domestic producers of Acrylic Fibre in India accounting for 100% of the total production. There is no other known manufacturer of acrylic fibre in India. The domestic industries manufacture Acrylic fibre falling under 55013000 (filament tow), 55033000 (Fibre - unprocessed for spinning) and 55063000 (Fibre - processed for spinning) of HSN as well as Customs Tariff Act, 1975 as well as Central Excise Tariff 1985.

3. Product Involved : The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producer by the increased imports of Acrylic Fibre (staple as well as tow) into India. The acrylic fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 85% by weight of acrylonitrile units. Acrylic fibre can be acrylic staple fibre or acrylic tow under Customs Tariff Act 1975. However these both items are known as acrylic fibre in the commercial parlance. The only difference between acrylic staple fibre and acrylic tow is the difference in length. Cut lengths of fibre of up to 2 meters length are known as staple fibres. Acrylic Fibre in its different forms are classified under 55013000 (filament tow), 55033000 (Fibre - unprocessed for spinning) and 55063000 (Fibre - processed for spinning) under Schedule I of the Customs Tariff Act 1975. Acrylic Fibre is a widely used raw material for manufacture of winter clothing.

Name of the Products	HSN Chapter Heading	Excise tariff Heading	ITC Heading
Acrylic Fibre	(i) 55013000 (filament tow)	(i) 55013000 (filament tow)	(i) 55013000 (filament tow)
	(ii) 55033000 (Fibre unprocessed for spinning)	(ii) 55033000 (Fibre unprocessed for spinning)	(ii) 55033000 (Fibre unprocessed for spinning)
	(iii) 56063000 (Fibre processed for spinning)	(iii) 56063000 (Fibre processed for spinning)	(iii) 56063000 (Fibre processed for spinning)

4. Increased Imports: Acrylic fibre (staple and tow) is imported into India in substantial quantities from Thailand, Japan, Germany, China, Korea, Taiwan and Belarus. The imports of acrylic fibre have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic sales. The share of imports during the period of investigation is as under:

Year	Imports (MT)	Domestic Sales (MT)	% Share of imports	% Share of domestic Sales
2005-06	11747	95,387	10.96	89.04
2006-07	11,700	76,497	13.27	86.73
2007-08	7,360	73,098	9.15	90.85
2008-09 (First nine months)	8,393	45,917	15.45	84.55

5. Capacity Utilization: The production as well as capacity utilization of domestic industry has gone down in recent period. The capacity utilization of the domestic industry has fallen down from 93.19 % in 2006-07 to 80.95% during first nine months of current financial year.

	2005-06	2006-07	2007-08	Apr'08-Dec'08
Total capacity for Applicants	85,000	90,000	90,000	67,500
Applicants total production	75378	83868	77513	54641
Capacity Utilization	88.68	93.19	86.13	80.95

6. Injury: The increased imports of acrylic fibre have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of acrylic fibres as indicated by the following factors:

a) Sales : The domestic sales in absolute terms as well in relative terms has seen a steep decline in recent period of 2008-09(April-Dec 2008) compared to 2007-08 as shown above. The share of domestic sales has shrunk to 84.55 % compared to 90.85% of previous year.

b) Production: The domestic production in absolute terms as well in relative terms has seen a steep decline in recent period of 2008-09(April-Dec 2008) compared to 2007-08. The production has gone down from 102516 MT in 2005-06 to 85168 MT in 2006-07 and further to 77513 MT in 2007-08 and to 54640 MT (during April 2008 to December 2008).

c) Closure of Plants: As a result of increased imports the domestic plants were closed a number of times in the current financial year as stocks could not be cleared. Indian Acrylics was closed for three months in the current financial year. Pashupati Acrylon was closed for two months in current financial year. The production of Vardhaman Acrylics was also suspended for one month in current financial year.

Plant	Shut down period	Capacity Shut Down
Indian Acrylic Ltd.	19.8.08 to 14.11.08 (3 months)	10500 MT
Pasupati Acrylon Ltd.	11.8.08.to 26.8.08 18.9.08 to 16.10.08 8.12.08 to 21.12.08 (two months)	5000 MT
Vardhman Acrylic Ltd.	Dec. 08 to January 09 (1 month)	900 MT

7. Other Information: At present following anti dumping duties on Acrylic Fibre are in force.

Notification no.	country	duty amount	valid upto
117/2004 -cus dated 30-12-2004	Belarus	Difference in assessable value and \$1681.35 /MT	29.12.2009
114/2004 -cus dated 21-12-2004	Japan	Difference in assessable value and \$1681 /MT	20.12.2009
123/2008-cus dated 20.11.2008	Korea RP	\$0.225/kg.	19.11.2013
123/2008-cus dated 20.11.2008	Thailand	\$ 0.16/kg to \$ 0.313/Kg.	19.11.2013

The applicant has contended that present injuries are not on account of dumping. The applicant has also contended that injury attributable to dumping has been taken care of by imposition of anti dumping duty which is equal to margin of dumping. It is argued that the present injury is on account of factors other than dumping and purely attributable to increased imports.

8. The issue, especially, whether safeguard duty can be imposed when antidumping duty is already in place, was examined. The section 9A of Customs Tariff Act 1975 deals with imposition of antidumping duty not exceeding the margin of dumping. The section 8B of Customs Tariff Act 1975 deals with imposition of safeguard duty on goods imported into India under circumstances mentioned therein. The causes of action for imposition of these two duties are totally different. Further subsection (3) of Section 8B envisages imposition of a number of duties at the same time under Customs Tariff Act 1975 or under any other law in force. The subsection (3) of Section 8(B) reads as below.

“The duty chargeable under this section shall be in addition to any other duty imposed under this Act or under any other law for the time being in force.”

Therefore it is clear that under the law there is no bar in imposition of safeguard duty when antidumping duty is already in force, provided the requirements of imposition of safeguard duty under Section 8B of Customs Tariff Act 1975 are met.

9. The domestic producers have requested for imposition of Safeguard Duty on imports of acrylic fibre for a period of three years. They have also requested for an immediate imposition of provisional Safeguard Duty in light of critical circumstances, leading to irreparable damage.

10. The application has been examined and it is found that prima facie increased imports of acrylic fibre (staple as well as tow) in recent past have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of acrylic fibre and accordingly it has been decided to initiate an investigation through this notice.

11. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan: 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg,
Gole Market,
New Delhi-110 001
INDIA.
Telefax: 011-23741542/ 23741537
E-mail: dgsafeguards@nic.in

12. All known interested parties are also being addressed separately.

13. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) within 21 days from the date of this notice.

[F. No. D-22011/09/2009]

S. S. RANA, Director General